बहुभाषी मासिक अख़बार
RNI NO.: UPMUL/2023/90347
सदा-ए-बुलंद
हमारी क़लम इन्साफ़ तक...
शाहजहाँपुर से प्रकाशित
वर्ष :03 अंक: 15 06 शाहजहाँपुर से तीनों ज़ुबानों हिन्दी, ऊर्दू, इंग्लिश एक साथ पहली बार शहजहाँपुर मार्च 2026 पृष्ठ.8 मूल्य : 5 रूप्ये

आलमं ए इस्लाम को अल– मुश्किल कुशा खानकाह नेशनल तंजीम व सदा ए बुलंद अख़बार एजेंसी की टीम की तरफ से ईदुल फितर की बहुत बहुत मुबारक बाद
राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रधान संपादक – हकीम मौलाना शाह शेख़ मो. बहार ए आलम कादरी रजवी हेड आफिस मो. मामूड़ी शाहजहांपुर उ.प्र. राब्ता नं -9565100392

भारत में पहला मुआमला, हरीश राणा को कोर्ट ने दी इच्छा मृत्यु की मंजूरी

(गाजियाबाद / सदा ए बुलंद न्यूज)

बहुत ही दुखद और विचलित कर देने वाला देश में पहली बार ऐसा हो रहा है कि कोई व्यक्ति अपने जीवन से इतना परेशान हो गया कि उसके अपने परिवार वाले भी इच्छा मृत्यु देने में सहमत हो गए।गाजियाबाद जिले के राजनगर एक्सटेंशन स्थित राज एंपायर सोसाइटी के निवासी 32 वर्षीय हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर परोक्ष इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) के लिए एम्स दिल्ली के पैलिएटिव केयर विभाग में गोपनीय तरीके से शिफ्ट कर दिया गया है। यह पूरी कार्रवाई सीएमओ की देखरेख में की गई यह भारत में पहला ऐसा मामला है जहां सुप्रीम कोर्ट ने किसी व्यक्ति को इच्छामृत्यु की अनुमति दी है।

हरीश वर्ष 2013 में चंडीगढ़ में एक हादसे में चौथी मंजिल से गिरने के बाद स्थायी वेजिटेटिव स्टेट में हैं। पिछले 13 वर्षों से वे अचेत अवस्था में बिस्तर पर पड़े हुए हैं और लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर निर्भर हैं। उनके माता–पिता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर लाइफ सपोर्ट हटाने की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया है।

एम्स की मेडिकल रिपोर्ट में भी हरीश के ठीक होने की कोई संभावना नहीं बताई गई थी। अब एम्स में पैलिएटिव केयर में भर्ती कर लाइफ सपोर्ट (फूड पाइप आदि) धीरे–धीरे हटाने की प्रक्रिया शुरू होगी ताकि प्राकृतिक रूप से गरिमापूर्ण अंतिम विदाई दी जा सके।

बताया जा रहा कि उन्हें गाजियाबाद से एम्स तक एक ऐसे वाहन में लाया गया जिसमें एंबुलेंस की सुविधाएं तो थीं लेकिन बाहर से कोई प्रतीक नहीं था। डॉक्टरों का कहना है कि हरीश राणा को एम्स लाने में जीवन रक्षक प्रणाली की जरूरत नहीं थी। सिर्फ पाइप के साथ आरामदायक तरीके से एम्स तक लाना था। इसलिए ऐसे वाहन का चयन किया गया ताकि उन्हें लाने में किसी तरह की दिक्कत या प्रचार न हो।

ऐसा ही सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था। पैलिएटिव केयर सेंटर के डाक्टरों को इस बारे में किसी से भी से मना कर दिया गया है। जो भी जानकारी होगी वह एम्स के निदेशक कार्यालय की तरफ से जारी की जाएगी।

ईरानी मिसाइलें इजरायल के लिए बनी कहर ,एक मिसाइल 10 किलोमीटर में फट रही है

(सदा ए बुलंद न्यूज) इजरायल ईरान के बीच चल रहे भीषण युद्ध में एक से बढ़कर एक आधुनिक तकनीक के मिसाइल दागे जा रहे हैं।

IDF के प्रवक्ता ने बताया कि ये मिसाइलें हवा में ही फट जाती हैं और 10 किलोमीटर के दायरे में दर्जनों छोटे बम बिखेर देती हैं। ईरानी मिसाइलों से 'क्लस्टर बमों की कयामतः IRGC ने शुरू की 37वीं लहर, IDF के खुलासे से मची वैश्विक खलबली।

ईरान और इजराइल के बीच का युद्ध अब मानवीय संवेदनाओं और

अंतरराष्ट्रीय नियमों की सीमा लांघ चुका है। इजराइली सेना (IDF) ने आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि ईरान द्वारा हाल ही में दागी गई 300 बैलिस्टिक मिसाइलों में से लगभग आधी (50:) क्लस्टर बमों (Cluster Warhead) से लैस थीं। प्ल्ळ६ का हमलारू ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (IRGC)ने मंगलवार रात हमलों की 37 वीं लहर शुरू की, जो लगातार तीन घंटे तक जारी रही।

इस हमले में केवल इजराइल ही नहीं, बल्कि बहरीन में स्थित अमेरिकी नौसेना के 5 वें बेड़े (Fifth Fleet) और इराकी कुर्दिस्तान के एरबिल को भी निशाना बनाया गया।

गैस सिलेंडर ब्लैकमेल पर मुख्यमंत्री योगी के अधिकारियों से खत्म निर्देश,होगी कार्यवाही

(सदा ए बुलंद न्यूज) आप अफवाह फैलाने वालों की खैर नहीं तेल–गैस की किल्लत की अफवाह पर सख्त
ब्ड योगी के सभी क्ड, पुलिस कप्तानों को निर्देश कालाबाजारी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं–अफवाह फैलाने वाले बख्शे नहीं जाएंगे–
सीएम योगी के निर्देश के बाद मॉनिटरिंग तेज पुलिस मुख्यालय और जिला स्तर पर मॉनिटरिंग सोशल मीडिया पर रखी जा रही है पैनी नजर अफवाह फैलाने वालों पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई जिलों की पुलिस पेट्रोल पंप पर नजर रखें। आपूर्ति विभाग गैस की दुकानों का सर्वे करें उच्च अधिकारी, जिला प्रशासन को गैस दुकानों में निरीक्षण के निर्देश गैस का अवैध भंडारण करने पर होगी सख्त कार्रवाई।

आशीष इण्डेन गैस सिलेंडर ब्लैक में बेच रहा था,तत्काल हुई जेल, एजेंसी सीज

(रिपोर्ट – लल्लू शर्मा सदा ए बुलंद / गोरखपुर) पवन वर्मा गोरखापुर इलाका पीपीगंज में आशीष इण्डेन गैस सर्विस के नाम पर एजेंसी का मलिक है। आपदा में अवसर की तलाश करते हुए इसने एक सिलेडर दो हजार में बेचना शुरू कर दिया लेकिन गोरखपुर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए इसे जेल भेजा और एजेंसी को ब्लैकलिस्ट कर दिया ऐसे ही गोरखपुर के नौसढ में एक गैस एजेंसी के मलिक कन्हैया वर्मा पर घटतौली अवैध भंडारण व ओवर रेटिंग के लिए F I R की गयी है ।आप सब से अपील है कि ऐसे घोटाले बाजों को एक्सपोज करिए अगर कोई हॉकर ज्यादा पैसे लेता है तो उस को एक्सपोज करिए और अपनी शिकायत दर्ज करवाईए सरकार के सख्त निर्देश हैं कि आपदा में कोई एजेंसी अवैध रूप से कालाबजारी करता पकड़ा गया तो तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

ये मुल्क आपके बाप का नहीं है... संभल के सी ओ पर भड़के असदउददीन ओवैसी

(संभल / सदा ए बुलंद न्यूज) असदुद्दीन ओवैसी ने संभल में तैनात CO पुलिस अधिकारी कुलदीप कुमार के एक वायरल वीडियो पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। इस वीडियो में सीओ कुलदीप कुमार कथित तौर पर जुमे की नमाज और ईरान के समर्थन में होने वाले प्रदर्शनों को लेकर सख्त चेतावनी देते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति सड़क पर अराजकता फैलाने या किसी विदेशी मुद्दे के समर्थन में प्रदर्शन करेगा, तो पुलिस उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। जो ईरान का समर्थन करते हैं वो ईरान चले जाएं... और नमाज के बारे में बोला कि सीमित नमाजी ही नमाज पढ़े सड़कों पर नमाज पर सख्त कार्रवाई करने को कहा।सीओ के इस बयान के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। ओवैसी ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और यह संविधान के अनुसार चलता है, न कि किसी व्यक्ति की मर्जी से। उन्होंने सवाल उठाया कि किसी को यह कहने का अधिकार नहीं है कि लोग इस देश को छोड़कर कहीं और चले जाएं। उनके मुताबिक, हर नागरिक को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन कानून और व्यवस्था बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

ओवैसी ने अपने बयान में यह भी कहा कि देश में किसी भी मुद्दे पर प्रतिक्रिया देने का अधिकार लोगों को है, लेकिन पुलिस और प्रशासन को अपने शब्दों और कार्रवाई में संतुलन बनाए रखना चाहिए।

संपादक की कलम से...

बहार मोहम्मद उर्फ शेख़ मौलाना शाही बहार-ए-आलम कादरी रिज़वी

ख़ादिम ए इस्लाम–शेख़ मौलाना शाही (सदा ए बुलंद न्यूज) प्रोफेशनल भिखारी और जकात मफिया बस बैग पैक कर रहे होंगे रूट तय कर चुके होंगे, और कुछ तो निकल भी चुके होंगे दिल्ली मुंबई बैंगलोर कलकत्ता की और तुम्हारी जकात ठगने चंद जज़्बाती लाइन फोटो के साथ ऑनलाइन QR Facebook instagram पर सरकुलेट होना शुरू हो जाएँगे या हो भी चुके होंगे, लेकिन अपनी जकात अपने हाथ से मुस्तहिक तक पहुंचाए, वो मुस्तहिक आपका रिश्तेदार भी हो सकता है , आपका पड़ोसी भी हो सकता है और अपने इलाके शहर जिले गांव में नजर डालिए और तलाश कीजिए कौन हक़दार है तुम्हारी जकात का।

जकात के पैसे से आप उनको रोजगार करवा दो:–अगर किसी पर वक्त की मार से कर्ज हो गया उसका क़र्ज अदा कर दो , बुरे कामो से क़र्ज ना हुआ हो (जुआ शराब मजब), जिस औरत का शौहर नही है उस बेवा का घर ख़स्ता हाल है, तो उसकी मरम्मत करवा दो अगर हो सके तो बनवा दो, जिन बच्चों का बाप नही है उन यतीमों के स्कूल फीस भर दो सालभर की ख़ुद जाकर या कोई गुरबत जदा परिवार है उन बच्चों की भी फीस भरदो पूरे साल की, जो बच्चे कॉलेज में मेहनत कर रहे हैं घर के हालत ऐसे नही हैं जो पढ़ाई का खर्च उठा सकें बच्चे नेक और मुख़लिस हैं उनकी मदद करो उनकी सालाना यूनिवर्सिटी की फीस भरवाओ ताकि वो कुछ बन सकें और आगे क़ौम ख़दिमद कर सके अपने इल्मो हुनर से ।

तुम साल–दर–साल प्रोफेशनल भिखरियों को जकात दे रहे हो और हालात जस के तस हैं। तुम चंदा खोर फर्जी मदरसों को जकात दे रहे वो ख़ुद भी चंदा खा रहे और उघा रहे बच्चों को भी चंदे की रसीद पकड़ा कर उन्हें भी चंदा माँगना सीखा रहे, जो अच्छे मदरसे दीन की ख़दिमत कर रहे हैं वो कहीं चंदे की रसीद लेकर नही जाते अल्लाह उनके पास अपने बंदे ख़ुद भेज देता है बंदमुट्ठी से मदद कर आते हैं और 100 /50/ 30 सालों से ऐसे ही वो मदरसे चल रहे हैं, जकात ऐसों को दो जो आइंदा साल में ख़ुद जकात देने वालों में शुमार होने का

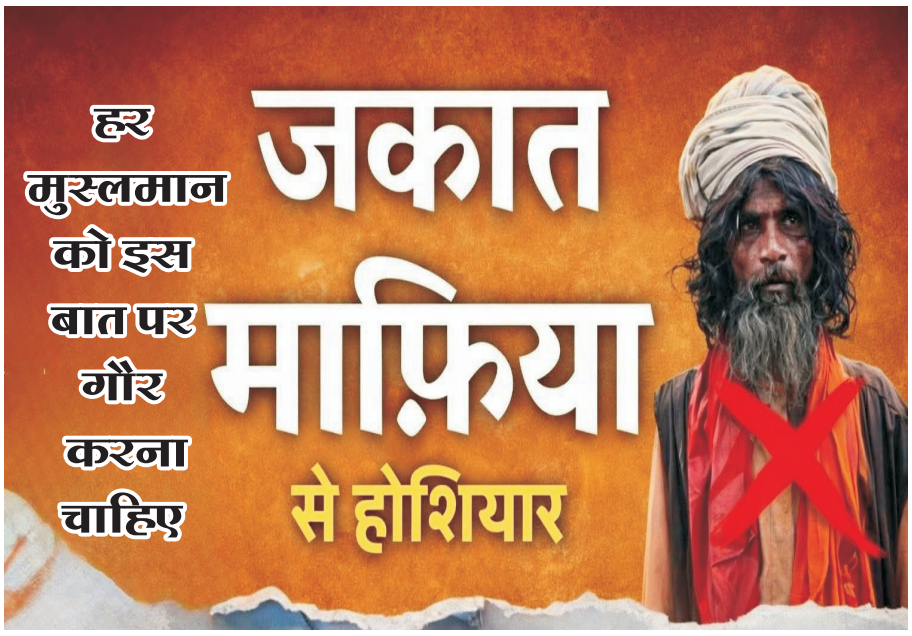

जज़्बा रखता हो , जकात का आदि ना बन जाए

हमारी टीम हर इलाके में निगरानी और तहकीकात में हैं। अपनी जकात अपने इलाके में ही लगा दें आपके इलाके के मुस्लमानों की गुरबत दूर हो जाएगी!

राब्ता करिए आपका ताअवुन अच्छी जगह पहुंचेगा:–आपको बताता चलूं कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बानी ए अल–मुश्किल ख़ानक़ाह नेशनल तंजीम शेख़ मौलाना शाही मो. बहार ए आलम कादरी रजवी ने अपनी टीम के साथ दशकों से कुल मुल्क में राज्यों शहर–शहर कस्बों गांव– गांव में जाकर इल्म ए फरोग और ईमान ए बेदारी मुहिम मीटिंग आल इंडिया मिशन जारी रखें हुए हैं जिसके नताइज और कोशिशें मेहनतों से आज लाखों लोग बेदार हुए हैं। और हजारों यतीमों बेवाओं मजलूमों गरीब गुरबाओं को पोशिदा मदद पहुंचाई गई है। शिक्षा संस्थान खोले जिसमें वह बच्चे पढ़ रहे हैं जो तिराहे चौराहे पर गाली गलौज करते फिरते थे। अभी हाल ही में एकड़ों जमीन पर ग्राम कटिया बुजुर्ग शाहजहांपुर में इदारे की तामीरी काम चल रहा है जो जिसमें मार्च से पढ़ाई शुरू हो जाएगी। आपसे अजीजाना गुजारिश है कि आप अपनी जकात फितरा, ज़दक़ा ताअवुन अल मुश्किल कुशा खानकाह नेशनल तंजीम में जरूर जमा करें तंजीम की टीम जरुरत मंदों को ही चुनकर उनको मदद पहुंचाती है। सोसायटी की खिदमत ए ख़ल्क़ वेबसाइट पर देख सकते हैं।

की खिदमत ए ख़ल्क वेबसाइट पर देख सकते हैं। (almushkilkusha-com)

आप अपना ताअवुन QR code nomber 6392370824 पर कर सकते हैं या खानकाह पता – मोहल्ला बारादरी शाहजहांपुर उ प्र में जाकर रसीद कटवा सकते हैं। इस नंबर पर राब्ता करें –9565100392.

लखनऊ में 13 साल के बच्चे को उसके ही दोस्तों ने गोली मारी

गोली धोखे से चली या जानबूझ कर मारी गई, सवाल ये है के नाबालिग बच्चे के पास रिवाल्वर आई भी तो कैसे...

(रिपोर्ट– खालिद ख़ान सदा ए बुलंद न्यूज लखनऊ) लखनऊ में एक बड़ी घटना हुई है। पूरा मामला ये है कि...लखनऊ के सरोजनी नगर में जमीर खान रहते हैं। उनकी इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है। उनका बेटा उनैज शहर के प्रतिष्ठित स्टेलामेरी स्कूल में सातवीं जमात में पढ़ता था।

पास में ही कृष्णा नगर के बालाजी कॉम्प्लेक्स में संजीव त्रिपाठी रहते हैं। उनके बेटे से उनैज की दोस्ती थी। कल उसी बच्चे का बर्थडे था। वो अपने दूसरे साथियों के साथ उनैज के घर पहुंचा, उसे ले जाने के लिए। उनैज ने रोजा रखा था, इसलिए जमीर खान ने जाने से मना किया। बाद में बेटे की जिद के आगे मान गए। भेज दिया।

शाम 07:30 बजे संजीव त्रिपाठी ने जमीर खान के व्हाट्सएप नंबर पे कॉल किया, बताया के तुम्हारा बेटा लोकबंधु अस्पताल में है। जल्दी आ जाओ। जमीर भाग कर पहुंचे, लेकिन बच्चे से नहीं मिलने दिया गया। थोड़ी देर बाद पुलिस ने बेटे को दिखाया, वो मरा हुआ था। उसके सिर में गोली लगी थी।

अब जानिए संजीव त्रिपाठी कौन हैं...

संजीव त्रिपाठी यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के साले हैं। संजीव त्रिपाठी के बड़े भाई गुड्डू त्रिपाठी भाजपा से एमएलसी रह चुके हैं।

अब जमीर कहते हैं, कि संजीव त्रिपाठी को ब्रजेश पाठक के साले होने कि वजह कर मर्डर को एक्सीडेंट बताया जा रहा है। पुलिस इसे दुर्घटना बताकर केस को रफाद करने का दबाव बच्चे के परिवार वालों पर कर रही है। हालांकि पुलिस ने संजीव त्रिपाठी उनकी पत्नी, गाड़ी का ड्राइवर और कार में सवार तीन नाबालिग पर रिपोर्ट दर्ज की है।

जमीर कहते हैं, मेरा बेटा रोजा से था। वो कहते हैं, कनपटी पे गोली हादसे में कैसे लगी होगी, उसे पकड़ कर मारा गया है। पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का भरोसा दिया है।

'छात्र पर धारदार हथियार से हमला गंभीर हालत में भर्ती'

रिपोर्ट: खालिद ख़ान शाहजहांपुर(सदा ए बुलंद न्यूज) परीक्षा देकर लौट रहे एक छात्र पर कुछ युवकों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना सोमवार शाम कनोइजिया अस्पताल के पास की बताई जा रही है। घायल छात्र की पहचान हिमांशु तिवारी के रूप में हुई है। वह चौक कोतवाली क्षेत्र की तीन खंभे वाली गली का निवासी है। बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले हिमांशु का कुछ युवकों से विवाद हुआ था, जिसको लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी भी हुई थी। सोमवार को जब हिमांशु परीक्षा देकर वापस लौट रहा था, तभी कनौजिया अस्पताल के पास पहले से घात लगाए युवकों ने उसे घेर लिया और धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। लहूलुहान हालत में हिमांशु सड़क पर गिर पड़ा। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस की मदद से घायल छात्र को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। थाना प्रभारी अश्वनी कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है, जांच की जा रही है और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर बच्चों को पुरस्कृत किया गया

(शाहजहांपुर/सदा ए बुलंद न्यूज) 'विज्ञान में महिलाएंरू विकसित भारत को उत्प्रेरित करना' विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन पूर्व माध्यमिक विद्यालय निवाड़ी में किया गया, जहां बच्चों को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का महत्व बताकर विज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया और विजई प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया.विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अंशिका मौर्य प्रथम, रोली द्वितीय और मीना तृतीय स्थान पर रही. वहीं रीना, कोमल, शांति, सोहनी, सोनी मौर्य को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए. पुरस्कार वितरण के पश्चात विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रुफिया खान ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, भौतिक विज्ञानी सी.वी. रमन द्वारा 1928 में रमन प्रभाव की खोज का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है , जिसके लिए उन्हें 1930 में भौतिकी में नोबेल पुरस्कार मिला था ।

इस वर्ष के विषय मे एक विकसित भारत के निर्माण में महिला वैज्ञानिकों और नवप्रवर्तकों के योगदान पर जोर दिया है और अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विज्ञान, गणित और गणित क्षेत्रों में उनके प्रयासों को महत्व दिया गया है । यह विषय विज्ञान में महिलाओं और बालिकाओं के अंतर्राष्ट्रीय दिवस जैसे अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के अनुरूप है , जो लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है और वैज्ञानिक अनुसंधान में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाता है।

कार्यक्रम के आयोजन में शिक्षक अंजित गौतम, अरुण पाल और शाफिया अमीन का योगदान रहा. इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया.

सेहत -ए- सलाह

हर रोग की रामबाण दवा अरंडी का तेल, हैरतअंगेज कारनामे...

सदा ए बुलंद न्यूज)

गांव में अरंडी के पौधे आज भी हर कहीं उगे हुए देखे जा सकते है... गांव के लोग अरंडी को बहुत अच्छे से जानते है, जब भी कभी मोच आ जाती हैं अरंडी के पत्ते सबसे पहले याद आते है... वैसे अब स्थिति बदली हैं, जरा सा कुछ होने पर भी डॉक्टर,मेडिकल पर टूट पड़ते है...हमनें अपनी स्थिति भले ही बदल ली हैं लेकिन पौधे ने अपना गुण धर्म नही खोया है... आज शहरी जगत में हर कही Castor–वपस की चर्चा आपको सुनने को मिल जाएगी,उसके गुणों का बखान भी मिला जाएगा,,पर उसका सीधा इस्तेमाल कोई नही करता,ओर अधिकतर लोग पौधे को भी नही पहचानते.....अरंडी के तेल में पाए जाने वाले गुणों की वजह से यह स्वास्थ्य और सुंदरता दोनों में फायदा करता है। जानते

है अरंडी के तेल के फायदे

1.काले धब्बे साफ करेः–

अरण्डी का आयल और नारियल के तेल की कुछ बुँदे ले और इसे चेहरे के काले धब्बो पर लगाए इससे काले धब्बे मिट जाएंगे।

2.गठिया रोग मेंः–

गठिया रोगी व्यक्ति की अरंडी के तेल से मालिश करने पर उसे दर्द में आराम होता हैं। यह मांसपेशियों के दर्द को कम करता है।

3.कब्ज में फायदाः–

कब्ज के लिए कैस्टर ऑयल का उपयोग कैसे करें तो इसके लिए आधा चम्मच तेल एक कप गर्म दूध में मिलाकर पियें।

4. बालों के लिएः–

इस तेल को बालों की सुंदरता और बालों की समस्या के लिए प्रयोग किया जाता है। बालों में अरंडी का तेल लगाने से बाल चमकदार, लम्बे, घने होते है। इससे बालों का रूखापन और डैंड्रफ भी खत्म हो जाती है।

5.पेट की चर्बी कम करेः–

हरे अरंड की २० – ५० ग्राम जड़ ले इसे धोकर कूट ले। अब २०० मिली पानी में पका ले। ५० मिली रह जाने पर इसका सेवन करे इससे पेट कम होगा।

6. पाइल्स से छुटकाराः–

20 से 30 मिली अरंड के पत्ते का काढ़ा बनाकर 25 मिली एलोवेरा के रस में मिलाकर सुबह शाम पीने से पाइल्स में लाभ होगा।

7. किडनी की सूजन कम करने में सहायकः–

किडनी की सूजन को कम करने में अरंड की मींगी को पिसे। इसे गर्म करके पेट के आधे भाग में लेप करे सूजन में आराम होगा।

8.आँखों मेंः–

अरंडी के तेल की कुछ बुँदे ले और आँखों के आसपास हल्की मालिश करे इससे आँखों की सूजन में आराम होगा।

9. झुर्रिया मिटायेः–

यह मॉइश्चराइजर की तरह काम करता है जो समय से पहले आने वाले बुढ़ापे को रोकता है और झुर्रियों को खत्म करता है।

10.साइटिका के दर्द को कम करेः–

यह साइटिका के दर्द को कम करने में मदद करता है।

11. मासिक विकार में राहत :–

पीरियड्स में होने वाले दर्द से छुटकारा पाने के लिए अरंड के पत्ते गर्म करके पेट पर बाँधने से लाभ होता है।

12. मस्से के लिएः–

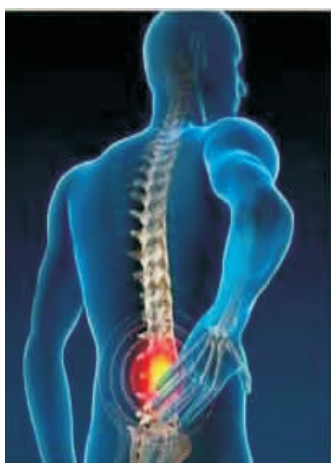

एलोवेरा रस में अरंडी का तेल मिलाकर लगाने से मस्सों की जलन में राहत मिलती है।

13.शरीर की मालिश –

बॉडी मसाज के लिए इस तेल का उपयोग कर सकते है इससे बॉडी पर चमक आती है।

हकीमः शेख मौलाना शाही

हज यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण व टीकाकरण संपन्न

(शाहजहांपुर/सदा ए बुलंद न्यूज) उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति के निर्देशानुसार जनपद से हज यात्रा पर जाने वाले आजमीन–ए–हज का स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण कार्यक्रम पुराना जिला चिकित्सालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत चिकित्सकों की टीम द्वारा सभी हज यात्रियों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक टीके लगाए गए।

चिकित्सा टीम में डॉक्टर शोएब अली चिकित्सा अधिकारी, मोहम्मद जावेद, अहमद सिद्दीकी, जहीम खान एवं स्टाफ नर्स पिंकी, शालिनी शर्मा, स्नेहा सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी ने मौजूद रहकर टीकाकरण किया और पोलियो की दवा पिलाई, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पी पी श्रीवास्तव ने हज यात्रियों को यात्रा के दौरान स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों, खान–पान, स्वच्छता तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी।

इस अवसर पर कुल 67 हज यात्रियों का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से की गई थीं, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

इस मौके पर मदरसा नुरुल हुदा बिजलीपूरा के प्रधानाचार्य इकबाल हुसैन उर्फ फूलमियां, मोईन खान, शारिक अली खान, साजिद अली खान, अब्दुल कादिर खान, निफासत अली खान, सविहा सुल्ताना, गुलाम कादिर, हज ट्रेनर मोहम्मद मशकूर खान आदि मौजूद रहे

13 दिन ICU में रहने पर भी आक्सीजन पर 12 वीं की परीक्षा देने पहुंची छात्रा,हौसले को सलाम

(सदा ए बुलंद न्यूज) चंडीगढ़ के मनीमाजरा में इन दिनों एक नाम हर जुबान पर है–कनिष्का बिष्ट। 17 साल की यह छात्रा केवल 12वीं की परीक्षा देने नहीं पहुंची थी, वह हौसले की ऐसी मिसाल बनकर आई थी, जिसने वहां मौजूद हर व्यक्ति को हैरान कर दिया। दरअसल कुछ दिन पहले तक कनिष्का अस्पताल के आईसीयू में जिंदगी की जंग लड़ रही थी। खांसी–जुकाम से शुरू हुई बीमारी ने गंभीर रूप ले लिया और निमोनिया में बदल गई। हालत इतनी बिगड़ी कि उसे आईसीयू में भर्ती करना पड़ा। दस दिन तक वह बेहोश रही। परिवार के लिए हर पल चिंता और अनिश्चितता से भरा था। 13 दिन तक आईसीयू में रही इस बेटी के लिए

सबसे बड़ा सवाल यही था–क्या वह अपना 12वीं का बोर्ड एग्जाम दे पाएगी?

लेकिन जब कनिष्का को होश आया, तो उसकी पहली जिद किताबों और परीक्षा को लेकर थी। उसने अपने पिता से साफ कहा–"मुझे एग्जाम देना है।" यह केवल एक परीक्षा नहीं थी, यह उसके सपनों की परीक्षा थी। बचपन से दिव्यांग रही कनिष्का ने पहले भी कई चुनौतियों का सामना किया था, मगर इस बार लड़ाई जिंदगी और भविष्य दोनों से थी।

शुक्रवार को फिजिक्स का पेपर था। अस्पताल से सीधे परीक्षा केंद्र तक का सफर आसान नहीं था। ऑक्सीजन सपोर्ट, व्हीलचेयर और जरूरी मेडिकल उपकरणों के साथ जब वह सेंटर पहुंची, तो हर नजर उसी पर ठहर गई। कमजोर शरीर, लेकिन आंखों में अडिग विश्वास–जैसे वह कह रही हो कि हालात चाहे जितने भी कठिन हों, सपनों की उड़ान को रोका नहीं जा सकता।

25वीं तरावीह को हाफिज मो. मोईन ने अल मुश्किल कुशा तंजीम में कुरान मुकम्मल की

(सदा ए बुलंद न्यूज/शाहजहांपुर) अल–मुश्किल कुशा तंजीम मोहल्ला मामूड़ी नि. खंता वाली मजार में हाफिज मोहम्मद मुईन ने 25 दिनों से मुसलसल तरावीह में बेहतरीन आवाज में मुकम्मल कुरान सुनाई। जश्न ए मुकम्मल तरावीह में हाफिज को नकद रकम और तोहफों से नवाज़ा गया। इस दौरान शेख़ मौलाना शाही ने अपने बयान में कहा कि जिस तरह रमजान के पूरे महीने भर हर मुसलमान नमाजों के लिए मस्जिदों में लबालब भरा रहता है। काश इसी तरह रमजान के अलावा भी भरा रहे तो आज जो मुल्क में मुसलमानों की दुर्दशा हो रखी है ये न होगी। जो आज मुसलमान समाज में जलीलो ख्वार, रुसवाई, गुरबत, जुल्म,जलालत, तंगदस्ती और मोहताजी के शिकार हैं। इसकी सिर्फ व सिर्फ वजह नमाज और दीन दारी को छोड़ देना है। हर मुसलमान को हर काम से पहले और जरूरी नमाज पढनी होगी उसके बाद दुनिया के काम देखना चाहिए। हाफिजों ने महफिल में नात ख्वानी की और शेख़ मौलाना शाही ने तमाम बुजुर्गान ए दीन को अहसाले सवाब किया कौम और मुल्क में अमन चौन और सलामती की दुआ की।

महफिल में शेख़ मौलाना शाही मोहम्मद बहार ए आलम कादरी रजवी,पूर्व चेयरमैन तनवीर खां, एडवोकेट नेहाल खां, सीनियर क़ौमी खिदमतगार शाहजाद खान, मो. रेहान, डॉ मो. रजा, डॉ मो जावेद, डॉ मो निसार, मो. आसिफ, हाफिज बिलाल, हाफिज हसन, हाफिज सईद, हाफिज हसन रजा, हाफिज फुरकान, हाफिज शुऐब सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

एक नज़र में

जज ने सुनाई उम्र कैद की सजा, दोषी ने कटघरे में ही जज को मारने की दे दी धमकी

(सदा ए बुलंद न्यूज) बिजनौर जिले के ADJ निजेंद्र कुमार ने गाड़ी से कुचलकर एक शख्स को मारने वाले पिंटू चौहान और जयदीप को उम्रकैद की सजा सुनाई।

दोनों दोषियों ने कोर्ट रूम में ही जज को मारने की धमकी दे डाली। ये तक कहा कि हमें तेरे घर, गांव सबका पता है। जज साहब ने UP के गृह सचिव, DIG और जिला जज को चिट्ठी लिखी है। आगे आप समझदार हैं कि अपना देश सुरक्षित हाथों में है!

मेमोरियल पब्लिक स्कूल के एनुअल फंक्शन में बच्चों ने दिखाए हुनर

रिपोर्टः खालिद ख़ान (शाहजहांपुर/सदा ए बुलंद न्यूज)अर्चना वर्मा महापौर शाहजहांपुर ने कोठी उस्मान बाग, वाडूजई फर्स्ट, शाहजहाँपुर स्थित अमना मेमोरियल पब्लिक स्कूल के एनुअल फंक्शन में शामिल होकर छात्र–छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।इस अवसर पर अपने संबोधन में बच्चों को शिक्षा,अनुशासन और संस्कारों के साथ निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पहले होने वाले दामाद के साथ सास भागी अब बहनोई के साथ नकद और जेवर लेकर फ़ूचक्कर

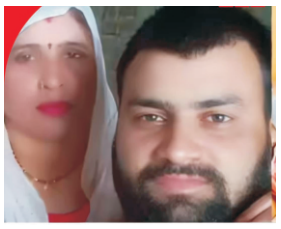

(सदा ए बुलंद न्यूज) उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में करीब 10 महीने पहले एक महिला अपने होने वाले दामाद के साथ घर से भाग गई थी। इस मामले ने देश भर में सुर्खियां बटोरी थी। दोनों बिहार के सीतामढ़ी में रह रहे थे जहां दामाद राहुल कपड़ों का कारोबार करता है। अब इस केस में नया ट्विस्ट आ गया है। दामाद ने पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत की है कि सास अब अपने बहनोई के साथ फरार हो गई है। साथ ही दो लाख रुपये और गहने भी लेकर चली गई।

ट्रेन लेट होने से NEET का पेपर छूटा, रेलवे पर 9 लाख 10 हजार का जुर्माना लगाया

(सदा ए बुलंद न्यूज) उत्तर प्रदेश के बस्ती जनपद में उपभोक्ता अदालत ने रेलवे पर 9 लाख 10 हजार का भारी भरकम जुर्माना लगाया है. ये जुर्माना सात साल पहले 2018 में छात्रा समृद्धि की शिकायत पर लगाया गया था. उसने शिकायत की थी कि उसने ट्रेन में टिकट बुक किया था और वह ट्रेन ढाई घंटे से अधिक लेट थी, जिस कारण उसका नीट का पेपर छूट गया. उसकी सालों की तैयारी बेकार हो गयी.

बी जे पी पार्टी को अब वोट नहीं करेंगे

(सदा ए बुलंद न्यूज) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) की ओर से जारी 'उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम 2026' ने देश के सवर्ण समाज में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। जिसके विरोध अशोकनगर में सवर्ण संगठनों विरोध शुरू करते हुए अपने बच्चों को साक्षी मानकर ऐसी शपथ ले ली कि जानकार बीजेपी में खलबली मच जाएगी। सवर्ण समाज के लोगों ने बीजेपी को वोट नहीं देने की कसम खाई है।

कलयुगी पिता ने फावड़ा से पत्नी की निर्मम हत्या कर खेली खूनी की होली

रिपोर्ट– लल्लू शर्मा **(सदा ए बुलंद न्यूज खजनी गोरखपुर)**होली के रंग हुए खून से लाल कलयुगी पिता ने फावड़ से पत्नी की निर्मम हत्या बच्चों के सामनें उजड़ गया घर गोरखपुर होली के रंग और खुशियों के बाच खजनी थाना क्षेत्र के ग्राम माधुपार टोल डड़वा में दिल दहला देने वाली वारदात सामनें आई है कलयुगी पिता अशोक निषाद ने अपनी पत्नी नीलम की फावड़े से वार कर बेरहमी से हत्या कर दी होली के दिन हुई इस स नसनी खेज घटना से पूरे गांव में मातम छा गया और इलाके में दहशत व सन्नाटा फैल गया जानकारी के मुताबिक पति–पत्नी के बीच– काफी समय से घरेलू कलह चल रही थी इसी विवाद ने मंगलवार के खूनी रूप ले लिया आरोप है कि गुस्से में आगबबूला अशोक निषाद ने फावड़ा उठाकर पत्नी नीलम पर ताबड़तोड़ वार कर दिए जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई घटना की सूचना सबसे पहले मृतक के बच्चों को हुई बताया जा रहा है कि सृष्टि निषाद (14 वर्ष) और सूरज निषाद (16 वर्ष) ने मां को लहूलुहान हालत में देखा तो चीख पुकार मच गई इसके बाद परिवार के लोगों को सूचना दी गई मृतका के पिता को उनके नाती ने फोन कर बताया कि पापा ने मम्मी की हत्या कर दी है सूचना मिलते ही खजनी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया पुलिस ने त्वीत काईवाई करते हुए आरोपी पति अशोक निषाद को गिरफ्तारी कर लिया है और उससे पूछ ताछ की जा रही है इस दर्दनाक घटना के बाद गांव में होली की खुशियां मातम में बदल गई जहां एक ओर लोग रंग गुलाल से होली खेलने की तैयारी कर रहे थे वहीं दूसरी ओर इस वारदात ने पूरे इलाके को सन्न कर दिया ग्रामीणों के मुताबिका परिवार में अक्सर निषाद होता था लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि मामला इतनी भयावह घटना में बदला जाएगा फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी है वहीं मासूम बच्चों के सिर से मां का साया उठ जाने के बाद पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

हिंदू लड़की वायरल गर्ल मोनालिसा ने फरमान खान से की शादी, सोशल पर हंगामा बरपा

(सदा ए बुलंद न्यूज)

प्रयागराज महाकुंभ के बाद वायरल गर्ल मोनालिसा की किस्मत सोने की तरह चमकी है। स्टारडम के साथ–साथ मोनालिसा अपने परिवार से दूर होती गई। अब अपने मुस्लिम बॉयफ्रेंड फरमान से शादी से रचाकर वह सुर्खियों में है।मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के महेश्वर के वार्ड नंबर 9 में अपने कुनबे के साथ रहने वाली मोनालिसा उसे समय सुर्खियों में आई थी, जब वह प्रयागराज के महाकुंभ में वायरल हो गई थी। करीब चार दशक पहले तत्कालीन नगर परिषद ने पारदी समाज के लोगों के लिए एक बस्ती बसा दी थी, जिसमें मोनालिसा का जन्म हुआ। प्रयागराज महाकुंभ में मोनालिसा वायरल हुई और किस्मत पलट गई। अब वह अपनी शादी की वजह से चर्चा में है। मोनालिसा ने अपने मुस्लिम बॉयफ्रेंड फरमान से शादी की है। आइए आपको बताते हैं फर्श से अर्श तक मोनालिसा कैसे पहुंची।पारदी समाज के लोग जगह–जगह हाट बाजार मेलों और विभिन्न प्रदेशों में घूम–घूम कर रुद्राक्ष और कंठी मालाएं बेचने का काम करते हैं। इसी तरह मोनालिसा उर्फ मोना भोसले की कहानी की भी शुरुआत हुई। मुश्किल से एक या दो कक्षा तक पढ़ी मोनालिसा को भी माल बेचने का धंधा वारसा में मिला था।

उर्दू साहित्यकार डा0 यूसुफ गौहर को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

(शाहजहांपुर /सदा ए बुलंद न्यूज) मशहूर उर्दू कहानीकार व शायर डा. यूसुफ गौहर की 15 वीं पुण्यतिथि पर उनका भावपूर्ण स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला गया।

रविवार को ऐमन जई जलाल नगर स्थित काशाना–ए–गौहर में उर्दू कहानीकार व शायर डा. यूसुफ गौहर की 15 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर हाफिज फिरासत उल्ला खां ने कहा कि यूसुफ गौहर एक शायर, कहानीकार, साहित्यकार और उर्दू पत्रिका उफुक ए नौ के सम्पादक होने के साथ–साथ एक मिलनसार और सहृदय व्यक्ति थे। शायर हमीद खिजर ने कहा कि यूसुफ गौहर बहुत नेक दिल और खुद्दार इंसान थे। वह नए लेखकों का उत्साहवर्धन करते थे। उर्दू जुबान व अदब से उन्हें बेपनाह मोहब्बत थी। शायर असगर यासिर ने कहा कि डा. यूसुफ गौहर ने उर्दू अदब की जो खिदमत की है, उसको कभी भुलाया नहीं जा सकता साथ ही डॉक्टर युसूफ गौहर ने हमेशा समाज के उत्थान का सार्थक प्रयास किया है, डॉक्टर युसूफ गौहर ने उर्दू जबान ओ अदब के प्रचार प्रसार में बहुमूल्य योगदान दिया है। उन्हें अनेक पुरस्कारों से नवाजा गया था। त्रैमासिक उफुक–ए–नौ के सम्पादक व शायर राशिद हुसैन राही ने कहा कि शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। अधिवक्ता इरशाद अली खां ने कहा कि यूसुफ गौहर ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज को सकारात्मक संदेश देने का काम किया। इस अवसर पर हाफिज मेहराब हुसैन,अमानत उल्ला नूरी, कारी कलामुद्दीन मंजरी, हाफिज अयान रजा, हाफिज शाहनवाज खां, डा मोनिस खां, हाजी इस्माइल, इक्तिदार शब्बन, मुख्तार अली खां, सैय्यद तसव्वर हुसैन, हाफिज तहसीन रजा, हाफिज तस्लीम रजा, वसीम निजामी, मोहम्मद असद, वसीमुद्दीन, मुनव्वर अली खां, अब्दुल हन्नान, अदनान, आदिल खां, आरिफ हुसैन, परवेज अहमद, नवेद, जावेद, गुफरान खां, नईम अहमद, अफवान खां, जुनैद, मुहिउद्दीन, मुन्ना आदि मौजूद रहे।

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होती सत्येन्द्र यादव राजू

रिपोर्ट –लल्लू शर्मा

(गोरखपुर/ सदा ए बुलंद न्यूज) जनपद गोरखपुर सिकन्दरपुर बलिया उत्तर प्रदेश निवासी सत्येन्द्र यादव राजू ने 77 वे गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर जहाँ पूरा देश आजादी और संविधान के गोरव का उत्सव मना रहा वहीं मित्र सहायता परिवार के प्रबंधक सत्येन्द्र यादव राजू ने एक अनजान जरुरतमंद को जीवन दान देकर राष्ट्रसेवा की अनूठी मिसाल पेश की उन्होंने दुर्गावती हॉस्पिटल बड़हलगंज गोरखपुर स्थित ब्लड बैंक में पहुँचकर अपने जीवन का 21 वाँ स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस अवसर पर सत्येन्द्र यादव राजू ने कहा की रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होती और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचा सकता है वे लंबे समय से धर्म मानवता और राष्टसेवा के लिए समर्पित रहते हैं।

عید الفطر کے مسائل فضائل۔ مسلمان یہ تہوار کیوں مناتے ہیں

اس کالم کا احترام کریں کوڑہ وغیرہ میں نہ ڈالیں

مولانا شاہی شیخ محمد بہار عالم رضوی قادری

(صدائے بلند نیوز) نبی کریم ﷺ جب ہجرت کر کے مدینہ پہنچے تو اہل مدینہ دو تہوار منایا کرتے تھے اور ان میں کھیل تماشے کرتے تھے۔ آپ نے ان سے پوچھا کہ یہ دو دن جو تم مناتے ہو ان کی کیا حقیقت ہے؟ انھوں نے عرض کیا کہ ہم جاہلیت میں یہ تہوار اسی طرح مناتے تھے تو آپ (ص) نے اپنے صحابہؓ سے فرمایا کہ اللہ نے تمھارے ان دو تہواروں کے بدلے میں ان سے بہتر دو دن تمھارے لیے مقرر کر دیے ہیں۔ (۱) عید الفطر (۲) عید الاضحی اس طرح ان دو عیدوں کی ابتدا ہوئی دو ہجری میں آپ (ص) نے صحابہ کرامؓ کو پہلی مرتبہ عید کی نماز پڑھائی۔ اب اگر دینی اور اسلامی روایات پر نظر ڈالی جائے تو پتہ چلتا ہے کہ عید الفط ر رمضان المبارک کے مہینے کے خاتمہ کی علامت ہے۔ اقوام عالم میں مسلمان عید کا تہوار بڑے مذہبی و دینی جوش و جذبے سے مناتے ہیں۔ رمضان المبارک کی رحمتیں، برکتیں اور مغفرتیں حاصل کرنے کے بعد امت مسلمہ کو بونس کے طور پر عید کا تحفہ دیا گیا ہے اور اس عید کے دن کی خوشی منانا مستحب کا درجہ رکھتا ہے۔ حدیث پاک میں ہے کہ نبی کریم ﷺ نے فرمایا: ''جس نے عیدین کی رات میں طلب ثواب کے لیے قیام کیا اس دن اس کا دل نہیں مرے گا جس دن لوگوں کے دل مرجائیں گے۔'' (ابن ماجہ) حضرت معاذ بن جبلؓ سے مروی ہے کہ ''جو پانچ راتوں میں شب بیداری کرے اس کے لیے جنت واجب ہو جاتی ہے۔ ذوالحج کی آٹھویں، نویں اور دسویں رات، چوتھی عید الفطر کی رات اور پانچویں شعبان المعظم کی پندرہویں رات جیسے شب برات''

عید کا مفہوم اور وجہ تسمیہ: عید کا لغوی مفہوم ہے ''لوٹنا''۔ اس نام کی وجہ تسمیہ اس دن کا ہر سال پلٹ کر آتا ہے۔ رمضان المبارک کی جسمانی و روحانی ریاضت کے نتیجے میں حاصل ہونے والی روحانی پاکیزگی اور خوشی کے ''عود'' کرآنے کی وجہ سے بھی اس دن کو عید کہا جاتا ہے۔ یہ ایک عظیم اور تاریخی دن ہے۔

عید الفطر کی حقیقت اور فضیلت

احادیث مبارکہ کی روشنی میں: عید رقص و سرود یا موج مستی کا نام نہیں بلکہ ہمارے دین میں عید کی بنیاد روح کی لطافت، تصفیہ قلب، تزکیہ نفس، طہارت، ایثار و ہمدردی، محبت و مودت، اتحاد و اتفاق اور خشوع و خضوع پر رکھی گئی ہے یعنی عید کا دن کوئی علامتی خوشی اور رسم و رواج کا دن نہیں بلکہ ایک دینی، مذہبی اور پاکیزہ تہوار ہے۔ رمضان المبارک میں کی جانے والی عبادتوں کے بدلے اور انعام کا دن ہے۔ عید الفطر کی رات کو ''لیلۃ الجائزہ'' اور عید الفطر کے دن کو ''یوم الجوائز'' یعنی انعامات اور بدلے کا دن کہا جاتا ہے۔ نبی کریم ﷺ نے اسے مذہبی تہوار قرار دیتے ہوئے فرمایا کہ ''بے شک ہر قوم کے لیے عید کا دن ہوتا ہے اور یہ ہماری عید کا دن ہے۔'' عید الفطر کے دن اللہ تعالیٰ فرشتوں کو گواہ بنا کر روزہ داروں کی مغفرت فرمادیتا ہے اور روزہ داروں کے گناہوں کو نیکیوں سے بدل دیتا ہے۔ چنانچہ لوگ عید کی نماز پڑھ کر عید گاہ سے بخشے بخشائے گھر واپس آتے ہیں۔

حضرت عبداللہ ابن عباسؓ سے مروی ہے کہ ''عید الفطر کی مبارک رات کو ''لیلۃ الجائزہ'' کہا جاتا ہے یعنی انعام کی رات۔ عید کے دن صبح کے وقت اللہ تعالیٰ اپنے فرشتوں کو زمین پر بھیجتا ہے۔ وہ زمین کی سب گلیوں اور راستوں پر کھڑے ہو جاتے ہیں اور مسلمانوں کو صدائیں لگاتے ہیں کہ اے امت محمد ﷺ! اس رب کی طرف چلو جو بہت زیادہ عطا کرنے والا ہے اور بڑے سے بڑے گناہ معاف کرنے والا ہے۔ پھر اللہ اپنے بندوں سے فرماتا ہے کہ اے میرے بندو! مانگو کیا مانگتے ہو؟ میری عزت و جلال کی قسم آج کے دن نماز عید کے اجتماع میں اپنی آخرت کے بارے میں جو سوال کرو گے وہ پورا کروں گا اور جو دنیا کے بارے میں مانگو گے اس میں تمھاری بھلائی فرماؤں گا۔ میری عزت کی قسم جب تک تم میرا لحاظ رکھو گے میں بھی تمھارے گناہوں کی پردہ پوشی کروں گا۔ میری عزت و جلال کی قسم میں تمھیں حد سے بڑھنے والوں کے ساتھ رسوا نہیں کروں گا پس اپنے گھروں کی طرف مغفرت یافتہ لوٹ جاؤ؟ تم نے مجھے راضی کر دیا اور میں تم سے راضی ہو گیا۔'' (الترغیب والترہیب)

اس حدیث مبارکہ سے عید الفطر کی فضیلت ہے کہ اس دن رب کی رحمت جوش پر ہوتی ہے اور ہر مانگنے والے کو عطا کیا جاتا ہے۔ اسی طرح ایک اور حدیث میں ہے کہ ''عید والے دن جب لوگ عید گاہ میں صف بستہ رب کے حضور حاضر ہوتے ہیں تو اللہ تعالیٰ اپنے فرشتوں سے پوچھتا ہے کہ اے فرشتو! ذرا یہ بتاؤ؟ کہ محنت سے کام کرنے والے مزدور کا معاوضہ کیا ہونا چاہیے؟ فرشتے عرض کرتے ہیں یا اللہ! معاوضہ یہ ہے کہ اس مزدور کی پوری مزدوری اسے دے دی جائے۔ اللہ فرماتا ہے کہ اے فرشتو! گواہ رہو میں اپنے نیک بندوں کو رمضان کے روزے اور راتوں کی نمازوں کے بدلے اپنی خوشنودی اور مغفرت سے مالا مال کرتا ہوں۔ یہ سن کر فرشتے خوش ہوتے ہیں اور امت کو بشارت دیتے ہیں۔'' (تذکرۃ الواعظین)

حضرت انسؓ سے روایت ہے کہ ''عید الفطر کی صبح حضرت جبرائیل اللہ کے حکم سے نبی کریم ﷺ کی خدمت میں حاضر ہوتے ہیں ان کے ساتھ ستر ہزار فرشتے ہوتے ہیں سب کے ہاتھوں میں جھنڈیاں ہوتی ہیں۔ حضرت اسرافیل علیہ السلام دائیں اور میکائیل علیہ السلام بائیں طرف ہوتے ہیں۔ یہ فرشتے عرش کے نیچے آتے ہیں جہاں نور کی قندیلیں آویزاں ہیں اور انبیاء وصلحا اور شہدا کی ارواح قیام پذیر ہوتی ہیں۔ ان کے درمیان ایک نہایت نورانی قندیل ہے جس کی روشنی چاند اور سورج کی روشنی پر بھی غالب ہے۔ اس قندیل کی چوڑائی ستر ہزار برس کی راہ ہے اور لمبائی کا علم صرف اللہ کی ذات کو ہے، حضرت جبرائیل اس فوج کے ساتھ حضور اکرم ﷺ کی بارگاہ میں اللہ تعالیٰ کا درود و سلام پیش کرتے ہیں اور باادب کھڑے ہو جاتے ہیں۔ نبی کریم ﷺ ان کی آمد کا مقصد پوچھتے ہیں کہ کیا قیامت برپا ہو گئی ہے؟ وہ کہتے ہیں کہ ابھی نہیں، آج تو عید کا دن ہے اور رحمت الٰہی اپنے جوش پر ہے۔ آج رمضان کے روزے رکھنے والے، تسبیح و تراویح پڑھنے والے، فقراء و مساکین کو صدقہ دینے والوں کو اجر عظیم لینے کا دن ہے۔ سب لوگ عید گاہ میں نماز عید کے لیے جمع ہوں گے۔ یا رسول اللہ ﷺ یہ تمام فرشتے اور نیک ارواح آپ ﷺ کی خدمت میں التجا کرتے ہیں کہ آپ ﷺ دنیا کی طرف تشریف لے چلیں تاکہ ہم بھی آپ ﷺ کے ساتھ چلیں اور دنیا میں اپنے متعلقین کو دیکھ آئیں نبی کریم ﷺ ارشاد فرماتے ہیں کہ اے پاک روحو! اگر تمھارا یہی ارادہ ہے تو میرے ساتھ چلو۔ نبی کریم ﷺ اپنی امت کو دیکھنے کے لیے دنیا میں تشریف لاتے ہیں۔ نہایت ہی تزک و احتشام کے ساتھ اس مبارک جلوس کا زمین پر نزول ہوتا ہے جب نماز عید ختم ہوتی ہے تو سب ارواح واپس چلی جاتی ہیں جو شخص محتاجوں اور مساکین کو کھانا اور صدقہ و خیرات دے کر اس کا ثواب اپنے مرحومین کو ایصال کرتا ہے تو اس کے مرحومین خوش ہو جاتے ہیں اور اس کے لیے دعائے خیر کرتے ہیں۔'' عید کے آداب

عید مسلمانوں کا مذہبی و دینی تہوار ہے جس کی اہمیت و فضیلت قرآن و حدیث سے ثابت ہے اس دن کے مخصوص آداب و شرائط ہیں جن کا جاننا ضروری ہے عید کے چند آداب درج ذیل ہیں:

(۱) نماز عید کے لیے جانے سے پہلے غسل کرنا۔

(۲) نماز عید کے لیے جانے سے پہلے کچھ نہ کچھ کھانا۔

(۳) عید کے دن تکبیریں کہنا۔

(۴) عید کی مبارکباد دینا۔

(۵) عید کے لیے اچھا لباس پہننا اور زیب و زینت کرنا۔

(۶) نماز عید کے لیے آنے جانے میں راستہ بدلنا۔ عید کے مسنون اعمال

عید کے مسنون اعمال میں درج ذیل چیزیں شامل ہیں:

(۱) شریعت کے مطابق زیب و زینت کرنا۔ (۲) غسل کرنا۔ (۳) مسواک کرنا۔ (۴) عمدہ کپڑے پہننا۔ (۵) خوشبو لگانا۔ (۶) عید گاہ جانے سے پہلے میٹھی چیز کھانا۔ (۷) نماز عید سے پہلے صدقہ فطر دے دینا۔ (۸) عید کی نماز عید گاہ میں پڑھنا۔ (۹) ایک راستے سے عید گاہ جانا اور دوسرے راستے سے واپس آنا۔ (۱۰)۔ پیدل چل کے جانا۔ (۱۱) تکبیرات پڑھتے ہوئے جانا۔

عید کے دن صدقہ فطر نکالنا:

اسلام ایک عالمگیر دین ہے جس میں نوع انسانی کے ہر طبقے کی عزت و احترام، محبت و مودت اور رواداری کا حکم دیا گیا ہے۔ نبی کریم ﷺ کا ارشاد ہے کہ ''عید کے دن غریبوں کی مالی مدد کرو'' اسی لیے ہر صاحب نصاب شخص پر اپنے اور اپنے زیر کفالت لوگوں کی طرف سے عید کے دن فطرانہ ادا کرنا واجب ہے۔ صدقہ فطر رمضان کے دوران بھی دیا جاسکتا ہے اور اگر کسی وجہ سے تاخیر ہو جائے تو عید کے بعد بھی دیا جاسکتا ہے لیکن عید الفطر کے دن سورج نکلنے کے بعد نماز سے پہلے فطرانہ ادا کرنا۔ زیادہ پسندیدہ ہے صدقہ فطر چار قسم کی چیزوں سے دیا جاسکتا ہے۔ گیہوں، جو، کھجور اور کشمش میں صدقہ فطر دینا واجب ہے۔ پونے دو کلو گندم/ گیہوں اور باقی تینوں میں ساڑھے تین کلو کی کس کے حساب سے فطرانہ دیا جاتا ہے۔ اسی طرح اس مقدار کی قیمت بھی دی جاسکتی ہے۔ قیمت یا رقم دینا زیادہ بہتر ہوتا ہے۔

فطرانہ کا مقصد: غریبوں اور محتاجوں کی دلجوئی اور حاجت روائی کرنا ہے تاکہ وہ بھی عید کی خوشی بہترین انداز میں مناسکیں۔ اسی لیے صاحب ثروت اور صاحب حیثیت لوگوں پر اس کی قیمت کا اندازہ الگ الگ ان کی معاشی حالت کے حساب سے ہوگا۔ صاحب حیثیت اور متمول لوگ کھجور اور کشمش وغیرہ کی قیمتوں کے ذریعے فطرانہ ادا کریں تاکہ غریبوں اور محتاجوں کا فائدہ ہو سکے۔ صدقہ فطر صرف صاحب حیثیت اور صاحب ثروت پر فرض نہیں ہے بلکہ فقیر اور غیر صاحب نصاب لوگوں کو بھی ان کی استعداد کے مطابق صدقہ فطر نکالنے کی ترغیب دی گئی ہے۔ صدقہ فطر 2 ہجری میں فرض ہوا۔ صدقہ فطر عورت پر کسی کی طرف سے ادا کرنا واجب نہیں نہ بچوں کی طرف سے اور نہ ماں باپ شوہر کی طرف سے۔

بقیہ صفحہ ۶ پر

लिजिए हक़ीक़ी हालात

जहन्नुम जिंदगी को जन्नत कैसे बनाएं

(सदा ए बुलंद न्यूज –शेख़ मौलाना शाही) शौहर के ख़राब रवैये से हर बीवी के सामने तीन रास्ते होते हैअब अकल्मन्द बीवी कौन सा रास्ता चुने ? शौहर या बीवी का ख़राब रवैया देखकर हर बीवी या मियां के सामने तीन रास्ते होते है, और हर बीवी इन तीन रास्तों मे से एक रास्ता जरूर चुनती है, अगर शौहर या बीवी एक दुसरे के साथ अच्छा सुलूक नही करते, आपस में वक्त नही देते, मोबाइल टीवी और दोस्तों में मसरूफ रहते हैं, इज्जत व प्यार नही देते, हर वक़्त झगड़ा करते हैं,एक दुसरे को गालियां देते हैं, मां बहन या कोई भी तीसरे शख्स की बातों मे आकार बे इज्जत करते हैं, मतलब किसी भी ऐतबार से मियां बीवी एक दुसरे से राहत के बजाय तकलीफ पहुंचाती है, तो इस जानवर वाली जिंदगी में दोनों में से कोई इन तीन रास्तों मे से एक रास्ता चुनता है।

पहला रास्ता

कुछ बीवियां जो ईमान की कमजोर होतीं हैं, वो शौहर के ख़राब रवैये या खुद के तकब्बुर घमंड जिद में गैर मेहरम से राब्ता बना लेती है, या कुछ औरतों या मर्दों का अपनी शादी से पहले की दुसरे से अफैर रहा होता है जो शादी के बाद भी नाजायज संबंध में रहता है ज्यादातर औरतें फिर उसके साथ अपने सुख दुख शेयर करने लगती है, और वो शख़्स भी उसके साथ बहुत हमदर्दी से पेश आता है, हमदर्दी वाला ये ताल्लुक पहले दोस्ती मे तब्दील होकर बड़े गुनाहों की तरफ ले जाता है, इसमें मुब्तिला होकर जिना एक ख्वाहिश लत और एक तलब बन जाती है। ऐसी सुरत मे शौहर बीवी और उसका हमदर्द तीनो ही गुनाहगार ठहरेंगे।

दूसरा रास्ता

कुछ बीवियां ईमान की मजबूत होती है,लेकिन हिम्मत की कमजोर होती है, अगर उनका शौहर या बीवी उनके साथ ख़राब रवैया रखता है, जैसा कि उपर लिखा है, तो ये बीवियां या शौहर अपनी इज्जत

आबरू की तो हर दम हिफाजत करते हैं, लेकिन अंदर से मुकम्मल टूट जाते है, उनका हंसना रस्मी होता है, उनकी मुस्कुराहटे रस्मी होती है, उनकी बोलचाल रस्मी होती है, उनका लोगों से मिलना और बोलचाल करना रस्मी होता है, ये दिन की रोशनी मे भी अंधेरा महसूस और पसंद करते हैं अंदर ही अंदर घुटते है, और रात के अंधेरे मे खून के आंसू रोते हैं, ये मियांब्बीवियां जिन्दा लाश बनकर जिंदगी गुजारते हैं, और बरोज महशर शौहर की बीवी उस वक्त तक जन्नत मे दाखिल ना हो सकेगी जब तक शौहर के आंसूओं का हिसाब ना दे दे, क्योंकि रब तआला अपने हुकूक तो माफ कर देगा लेकिन अपने बंदो के हुकूक तब तक माफ नही करेगा जब तक सामने वाला माफ ना करे दे।

तीसरा रास्ता

इस तीसरे किस्म के रास्ते पर चलने वाले और बीवियों का ईमान मजबूत तो होता ही है साथ मे ये हिम्मत और इस्तकबाल की पहाड़ भी साबित होती है, ये मायूस नही होते बल्कि फिक्र करते हैं, ये शोहर या बीवी के ख़राब रवैये को खुद के लिए चेलेंज तसव्वुर करते हैं, के किस तरह शोहर या बीवी को अपने तरफ माइल किया जाए। कैसे मुश्किलों को आसान किया जाए बिगड़ते हुए घर को कैसे बचाया जाए।

फिर बीवियां शौहर के गुस्से पर सामने जवाब नही देतीं, सब्र करके बरदाश्त करतीं हैं, ये शोहर के साथ बहुत ज़्यादा नर्म और प्यार भरा रवैया रखती है, शोहर के आने से पहले खुद को दुल्हन की तरह तैयार कर लेती है के शोहर का ध्यान कही और ना जाए, ये जानती है कि शोहर के वालिदेन की ख़दिमत फर्ज नही, लेकिन फिर भी खुद से सास ससुर की ख़दिमत करती है, के बुजुर्गो की दुआओं से उनका घर बसा रहे, ये तकियो मे मुहं छिपाकर रोने की बजाय सजदों मे रोने को तरजीह देती है, ये सजदों मे आंसू बहाकर रब के हुजूर शोहर की वापसी मांगती है, ये तहज्जुद मे उठकर रब की बरागाह मे हाजिरी लगाती है, और आंखे नम किए अपनी आह उस रब के सामने रखकर अपनी खुशीयां मांगती है। अल्लाह तआला उनकी हिम्मत और मदद के लिए पुकारने पर उन्हे मायूस नही करता, उनकी हिम्मत, सब्र, कुरबानीयों का फल देते हुए उनके शोहर का दिल उनके तरफ फेर देता है।

अब अकल्मन्द बीवी कौनसा रास्ता चुने ? अगर बीवी पहला रास्ता चुनती है तो दुनिया मे जिल्लत व रुसवाई और आख़रित मे शोहर और हमदर्द समेत सख़्त अजाब के हकदार ठहरेंगे। अगर बीवी दुसरा रास्ता चुनती है तो गलीज शोहर की वजह से अपना ही दिल जलाती है, अपना ही खुन जलाती है, अपने को तकलीफ देने के सिवा कुछ हासिल नही होगा, लेकिन उसको अल्लाह तआला के यहां इस सब्र और इज्जत आबरू की हिफाजत करने पर बे तहाशा अज्र व सवाब मिलेगा।

और अगर बीवी तीसरा रास्ता चुनती है, शोहर की बेगैरती को खुद के लिए चेलेंज तसव्वुर किए हिम्मत और गौर फिक्र से काम लेती है जैसा कि उपर लिखा है तो 80ः बीवीयां अल्लाह तआला के हुक्म से अपने मकसद मे कामयाब होकर एक खुशगवार अज्दवाजी जिंदगी गुजारती है। अपनी दुनिया और आखिरत दोनों में कामियाब हो जाती है।हम यहा कहना चाहते है के शोहर के ख़राब रवैये पर हर बीवी को तीसरा रास्ता चुनना चाहिए , इन शा अल्लाह! अल्लाह तआला उसे मायूस नही करेगा।

यहां एक और बात कहना चाहेंगे के अगर किसी भी बीवी की वजह से नेक शौहर की आंखों में शोहर एक भी आंसू आ जाए तो जन्नत मे उस वक्त तक ना जा सकेगी जब तक शौहर उसे माफ ना कर दे। आप कहेंगे के हम ऐसा फतवा लगा रहे है, तो याद रखे के ये फतवा नही दीन–ए–इस्लाम है, अहादीस का मफहूम है के जहां किसी एक इंसान के दिल दुखाने पर रोजा नमाज सारी इबादतें उस वक़्त तक काम नही आएगी जब तक सामने वाला माफ ना कर दे। और औरतों से नमाज के बाद उसके शौहर की फरमाबरदारी का हिसाब लिया जाएगा अगर शौहर ने मुआफ नहीं किया तो बीवी जन्नत में दाखिल न होगी चाहे उसने दुनिया में कितनी भी नेकियां कमाईं हों यानि हुकूक अल इबाद की कोताही से बचे। और कोशिश करना चाहिए की बीवी के कोई भी ऐसे बद–अमल बदजुबानी और नाफरमानी की वजह से शौहर की आंखो मे आंसू ना आए।

(नोट – पढ़ते रहिए हर अंग में राह ए जिन्दगी पर उम्मीद ए रोशन चिराग की एक अदना पहल जारी है)

عید الفطر کے مسائل.....

اس کالم کا احترام کریں کوڑہ وغیرہ میں نہ ڈالیں

صدقہ فطر دینے کی فضیلت: نبی کریم ﷺ نے عید کے دن ضرورت مندوں، محتاجوں اور بیواو?ں کو اس خوشی میں شریک کرنے کے لیے صدقہ فطر ادا کرنے کا حکم دیا ہے۔ صدقہ فطر ادا کرنے کے تین فائدے ہیں۔ ۱۔ روزوں کا قبول ہونا۔ ۲۔ موت کی سختی سے محفوظ ہونا۔ ۳۔ عذاب قبر سے امن پانا

ایک روایت کے مطابق نبی کریم ﷺ نے فرمایا: ''اے مومنو! صدقہ فطر کو اپنا توشہ کرو اور جنت کو آراستہ کرو۔ صدقہ فطر دینے والے کے تمام روزے اللہ تعالیٰ قبول فرماتا ہے اور تمام گناہ بخش دیتا ہے اور اس کے مرنے کے بعد فرشتے اس کی زیارت کے لیے آتے ہیں۔ وہ قیامت کے دن براق پر سوار کر کے جنت میں بھیجا جائے گا۔'' یہ بھی حدیث میں ہے کہ ''صدقہ فطر دینے والے کو ہر دانے کے بدلے جنت میں ایک گھر دیا جاتا ہے اور ایک حور عطا کی جاتی ہے۔'' حضرت سعید ابن جبیر سے روایت ہے کہ رسول اللہ ﷺ نے فرمایا: ''یوم فطر کا اکرام کیا کرو اور معاصی وضرر سے بچا کرو۔'' نبی کریم ﷺ یوم عیدالفطر منایا کرتے تھے۔ ایک دفعہ عید کے دن آپ ﷺ کے گھر میں کھانے کے لیے کچھ نہ تھا جب آپ ﷺ عید گاہ جانے لگے تو حضرت عائشہ صدیقہؓ نے فرمایا آج آپ ﷺ کی کسی بیوی نے گھر میں بھی کھانے کے لیے کچھ نہیں ہے۔ آپ ﷺ نے فرمایا ''یہ وہ وقت ہے کہ مجھ پر اتمام نعمت۔۔۔۔ وہ ساعت ہے کہ مجھ پر فقر کا اطلاق پورا ہوا غم غمگین نہ ہو۔'' حضرت عائشہؓ نے فرمایا میں اس سے خوش ہوں مگر آج کے دن جو فقرا بیوائیں اور یتیم آپ ﷺ کے کاشانہ اقدس میں آئیں گے مجھے ان سے شرمندگی محسوس ہوگی۔ آپ ﷺ نے جواب دیا کہ ہمیں اور انھیں اللہ تعالیٰ دے گا۔ یہ کہہ کر آپ ﷺ عیدگاہ تشریف لے گئے اور نماز عید ادا کی۔ جب واپس گھر تشریف لائے تو دیکھا کہ آپ ﷺ کے دروازے سے فقراء کھانے لیے جا رہے ہیں۔ حضرت عائشہؓ نے آپ ﷺ کو دیکھ کر فرمایا کہ اپنے صحابہ کرامؓ کو بلا لیجئے وہ بھی آ کر کھانا کھالیں۔ آپ ﷺ نے پوچھا کہ یہ کہاں سے آیا۔ انھوں نے جواب دیا کہ حضرت عثمانؓ نے 10 اونٹ آٹے کے، دس اونٹ روغن، دس اونٹ شہد سو یاں اور پانچ سو دینار بھیجے ہیں۔ آپ ﷺ نے جوش شفقت اور رحمت سے فرمایا اے اللہ عثمان بن عفان پر حساب آسان کر دے۔ اسی وقت حضرت جبرائیلؑ نے حاضر ہو کر فرمایا کہ آپ ﷺ کی دعا کو اللہ نے حضرت عثمانؓ کے حق میں پورا فرما لیا ہے ان سے روز قیامت حساب نہیں ہوگا۔ آپ ﷺ نے فرمایا جو کوئی عید کے دن بیوہ کو ہانڈی چڑھوا دے۔ اللہ تعالیٰ اس سے ایک برس کا حساب نہیں لے گا۔ نماز عید کے واجب ہونے کی شرائط (۱) کسی بڑے شہر، گاؤں میں مقیم ہونا۔ (۲) صحت مند ہونا ضروری ہے بیمار پر نماز عید فرض نہیں۔ (۳) آزاد ہونا (۴) مرد ہونا (۵) بالغ ہونا (۶) عاقل ہونا کیونکہ مجنون پر کوئی عبادت لازم نہیں۔ (۷) بینا ہونا کیونکہ نابینا بھی غیر مکلّف ہے۔ (۸) چلنے پر قادر ہونا، اپاہج اور پیر کٹے لوگ مستثنٰی ہیں۔ (۹) سخت بارش اور کیچڑ وغیرہ نہ ہونا۔ (۱۰) مسجد جانے میں کسی دشمن کا خوف نہ ہونا۔ عید والے دن عید کی نماز پڑ مندرجہ بالا باتوں سے مشروط کیا گیا ہے اگر یہ شرائط پوری ہوں تو نماز عید لازمی ادا کرنی چاہیے۔

आलम ए नजर

अमेरिका का कातिलाना और खूनी डरावना इतिहास, पूरी दुनिया के लिए कितना घातक

(आलम ए नजर– सदा ए बुलंद न्यूज) जापान पर परमाणु बम गिराया और ढाई लाख इंसानों को लील गए। कोरिया के दो टुकड़े कर दिए। वियतनाम को बर्बाद कर डाला। इराक को बर्बाद किया। अफगानिस्तान को तबाह किया। फिलिस्तीन को कब्रिस्तान बना डाला। सीरिया को जलाया। चिली, ब्राजील, उरुग्वे, पैरागुआ और अर्जेंटीना को बर्बाद किया। तालिबान को खड़ा किया। ISIS को खड़ा किया। दुनिया भर में आतंकवाद और युद्ध को बिजनेस बना लिया। वेनेजुएला पर हमला करके राष्ट्रपति को उठा ले गए। अब ईरान की तबाही का अध्याय जारी है।मकसद है दुनिया भर के तेल और व्यापार पर कब्जा करना और अपने हथियार बेचना। नरसंहार और तबाही इनका सबसे बड़ा एवं एकमात्र व्यापार है। इंसानी खून पीना ही इनका एकमात्र शौक है। जो देश इसके चक्कर में पड़ा, तबाह हो गया।

अमेरिका का लोकतंत्र, तानाशाही के खिलाफ लड़ाई और शांति की बातें एक खून सना पर्दा है, जिसके पीछे करोड़ों की संख्या में इंसानी लाशें चीख रही हैं।

सुन्नी-शिया नहीं हमारा सिर्फ एक ही मजहब इस्लाम

(सदा ए बुलंद न्यूज) तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन का बयानरू "सुन्नी–शिया नहीं, हमारा सिर्फ एक ही मजहब इस्लाम" ने कहा कि उनके यहां सुन्नी या शिया जैसी कोई अलग धार्मिक पहचान नहीं है। तुर्की के राष्ट्रपति के मुताबिक उनका केवल एक ही धर्म है और वह है इस्लाम। एर्दोगन का यह बयान मुस्लिम दुनिया में एकता की बात को लेकर दिया गया, जिसमें उन्होंने मजहबी विभाजन से ऊपर उठने का संदेश दिया।

नूरी मरकज तारीन में शहीदों की कहानी चित्र प्रदर्शनी में पत्रकार राशिद हुसैन और अजहर अली सम्मानित

(शाहजहांपुर/ सदा ए बुलंद) न्यूज नूरी मरकज तारीन में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में लगाई शहीदों की कहानी चित्रों की जुबानी चित्र प्रदर्शनी का वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने अवलोकन किया। उन्होंने चित्र प्रदर्शनी में रखे क्रांतिकारियों के दुर्लभ चित्रों तथा पुस्तकों और शहीदों की जानकारियों की प्रशंसा की।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री खन्ना ने कहा कि नूरी मरकज में दुर्लभ चित्रों की प्रदर्शनी कई वर्षों से गणतंत्र दिवस के मौके पर लगाई जाती है। इस संस्था का ये सराहनीय प्रयास है। इनसे हमारे युवाओं को सीख लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 1857–58 में स्वतंत्रता आंदोलन की आवाज शाहजहांपुर से मौलवी अहमद उल्ला शाह के शहीद होने से पहले उठी थी। यहां के क्रांतिकारियों पं रामप्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खां के बलिदान के कारण अपने जनपद का नाम पूरे देश और विश्व में सम्मान से लिया जाता है। शहीदों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

नूरी मरकज अध्यक्ष हाजी इम्तियाज अली खां ने कहा कि नूरी मरकज में सहजे गए काकोरी ट्रेन एक्शन से सम्बंधित 17 दुर्लभ चित्रों को शहीद संग्रहालय को भेंट करेंगे। इससे पहले नूरी मरकज पहुंचने पर इम्तियाज अली खां, इजहारूल हक खान मियां, डा मसूद अख्तर खां, मौलाना शरीफ खां, शहर काजी सैयद सैफ हसन, मुनीश सिंह परिहार, पार्षद लालू पुजारी ने श्री खन्ना का माल्यार्पण, पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर मौलाना अब्दुल वकील, सरदार जसविंदर सिंह पाले, मनीष अग्रवाल, जावेद आलम, अनीस खां, जाहिद अली, फारूक अली, बिलाल खां, इकबाल खां, दानिश रजा, देवेश त्रिपाठी, रियाज खां, मुबारक हुसैन, सईद खां मंजू, हाशिम खां, अफवान खां आदि मौजूद रहे।

राशिद जुगनू व अजहर अली को पत्रकार गौरव सम्मान इनसेट इस अवसर पर श्री खन्ना ने शिक्षा, साहित्य, कला एवं पत्रकारिता के क्षेत्र के उल्लेखनीय योगदान के लिए राशिद हुसैन राही जुगनू व अजहर अली को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

दारुल उलूम गौस-उल-वरा का 22 वां वार्षिक जलसा

11 छात्रों की दस्तारबंदी, प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया

रिपोर्टः– राशिद हुसैन (शाहजहांपुर/सदा ए बुलंद न्यूज) दारुल उलूम गौस–उल–वरा ककरा रोड पर बीती रात 22 वां सालाना जलसा ए दस्तारबंदी दारुल उलूम के प्रधानाचार्य एवं ईदगाह के खतीब एवं इमाम मौलाना हुजूर अहमद मंजरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमें मौलवियत और हिफ्ज के 11 छात्रों की दस्तार बंदी कर प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। जलसे की शुरुआत पवित्र कुरआन के पाठ से हुई। मुख्य वक्ता जामिया अमजदिया घोसी मऊ के शेख अल हदीस व इफ्ता विभाग अध्यक्ष अल्लामा शमशाद अहमद मिस्बाही ने कहा कि तालीम ही इंसान को अजमत वाला बनाती है। तालीम से इंसान के मर्तबे बुलंद होते हैं। उन्होंने कहा कि अपनी बेटियों की बेहतर तालीम व तरबियत की फिक्र जरूरी है। उन्होंने लोगों से दीन ए हक से वाबस्ता रहने पर जोर दिया।कारी अब्दुल रज्जाक मुरादाबादी ने कहा कि कौम के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि अपनी कौम की अमानत और विरासत इन मदरसों का हर मुमकिन सहयोग करें। दारुल उलूम के प्रधानाचार्य मौलाना हुजूर अहमद मंजरी ने मदरसे की प्रगति रिपोर्ट पेश की। उन्होंने छात्रों को बधाई दी।

जलसे में शायर इमरान बरकाती बरेली, अब्दुल कादिर, शाहिद रजा तथा मदरसे के छात्रों ने नात व मनकबत पेश की। इस दौरान दारुल उलूम से मौलवियत के 6 और हिफ्ज के 5 छात्रों की दस्तारबंदी कर प्रमाण पत्र दिए गए। साथ ही छात्रों को फूलमाला पहना कर उपहार तथा दीनी पुस्तकें भेंट की गईं। इसके बाद हुजूर मुफ्ती ए आजम हिंद का कुल शरीफ हुआ। जलसे का समापन मुल्क की समृद्धि और सुख शांति के लिए दुआ के साथ हुआ। संचालन कारी नाजिर रजा बहेड़ी ने की। इस अवसर पर मौलाना तारिक, मौलाना अनीस खां, हाजी नन्हे, हाजी बशीर, पूर्व पालिकाध्यक्ष तनवीर खां, मौलाना मुहम्मद कासिम मिस्बाही, मौलाना मुहम्मद इस्लाम अलीमी, हाफिज शहामत रजा, हाफिज हसन रजा खां, हाफिज फहीम रजा, अब्दुल कादिर खां, सलीम फारुकी, कलीम अहमद, फुरकान आदि के अलावा छात्रों के अभिभावक मौजूद रहे। मदरसा प्रबंधक हाजी मुहम्मद उमर खां कादरी ने आभार व्यक्त किया।

अल मुश्किल कुशा सोसायटी ने किया एस.बी. ए. पब्लिक स्कूल का भव्य शुभारंभ

(सदा ए बुलंद न्यूज –शाहजहांपुर/कटिया बुजुर्ग) आज अल मुश्किल कुशा खानकाह नेशनल सोसायटी के तत्वाधान में आजादी गणतंत्र दिवस अमृत महोत्सव के मुबारक मौके पर ग्राम कटिया बुजुर्ग शाहजहांपुर में एस. बी. ए. पब्लिक स्कूल के लिए संग ए बुनियाद का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष बानी शेख़ मौलाना शाही मोहम्मद बहार ए आलम कादरी रजवी ने और शहीद अहमद उल्ला शाह रहमतुल्लाह अलैहे की दरगाह के खादिम और मस्जिद के इमाम अशफाक खान के हाथों से बुनियाद में ईंट रखी गई। डॉ इरफान, इसरार शाहजाद खान और सैकड़ों गांववासियों ने अपने हाथों से बुनियाद भरवाई। इस बीच शेख़ मौलाना शाही ने कहा कि हमारी सोसायटी गांव गांव शहर–शहर कस्बों राज्यों में जाकर ऐसे इलाके चुनकर वहां विधालयों का प्रवधान करके खोल रही है जहां अशिक्षिता है और लोगों को शिक्षा की सख्त जरूरत है। ग्राम कटिया बुजुर्ग और पास के ग्राम इलाकों में दौलतपुर काजीपुर तेराह गांव,करनयापुर में तालीम की सख्त जरूरत है। इस लिए शिक्षा संस्थान और प्रशिक्षण केंद्र खोलने का निर्णय लिया गया। जिसमें कंप्यूटर सिलाई जुड़े कराटे प्रशिक्षण और हिंदी उर्दू अंग्रेजी फारसी अरबी की बेहतरीन तालीम मुहैय्या कराई जाएगी। स्कूल में 2026 से दाखिले प्रारंभ हो जाएंगे।

और कहा कि हमारा मिशन है कि हमारे देश में कोने कोने में इल्मधशिक्षा पहुंचे और हमारी टीम हर संभव कोशिश कर रही है।

इस मौके पर डॉ इरफान ह्युमन, इसरार खां,कदीर ख़ान, शाहजाद खान, मो. रहमान, मायाराम, मो. ऐजाज, सलमान खान,हाफिज अब्दुल सबूर, इब्बन खां, हाफिज इदरीस, मोहसिन खान,अख्तर अली, हाफिज अब्दुल अजीम, हाफिज जिआउद्दीन , गुलबहार,हाफिज खुशहाल,फहीम ख़ान, ईसा,हाफिज आफताब,भूरे (बी.डी.सी.) प्रधान–फुरकान खां,अच्छन,अय्यूब,बब्बन, हाफिज शम्मू सकलैनी, आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे

हर साल अरबों रुपए की जकात निकलने के बावजूद भी फकीर कम होने की वजाए पढ़ क्यूं रहे हैं ?

आखिर जकात फितरा स़दक़ा ताअवुन कहां जा रहा है? ●क्या आपकी मदद कहीं ऐयाशी में तो नहीं लुटाई जा रही है?

अपना जकात फितरा स़दक़ा तलाश करके हकदार को ही दें:शेख़ मौलाना शाही

(सदा ए बुलंद न्यूज) आज अल मुश्किल कुशा खानकाह नेशनल सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेख़ मौलाना शाही मोहम्मद बहार ए आलम कादरी रजवी ने ईमान ए बेदारी मुहिम के तहत् ग्राम मजरा में अलविदा जुमा मुबारक मौके पर सैकड़ों लोगो से मुखातिब होते हुए कहा कि जितना ही फैशन का दौर आ रहा मुसलमान उतना ही अपने दीन और ईमान से हटता जा रहा है। और कोई भी काम दीन और शरीयत के हिसाब से नहीं कर रहा है अगर सही तरीके से करे तो समाज में कोई भी गरीब न रहेगा आज रमजान का आखिरी अलविदा जुमा है अब मुसलमान जकात फितरा स़दक़ा देने की हड़बड़ी में जुटेंगे। और पेशेवर फकीरों को अंधाधुंधी में लुटा कर अपनी जान छुड़ा लेंगे। कहीं तलाश नहीं करेंगे,जो गरीब गुरबा यतीमों बेवाओं मजलूमों का मैन हक़ है उन तक नहीं पहुंच पाएगा। हर साल करोड़ों लोग अरबों रुपए जकात निकालते हैं। सिर्फ इसलिए कि क़ौम की गरीबी खत्म हो जाएगी। लेकिन दुसरे साल उससे कई गुना ज्यादा फकीरों की तादाद हर मस्जिद हर घर के मजारों की दहलीज पर फक़ीरी मोहताजी का मुंह फैलाए खड़े नजर आते हैं। इसका मतलब इस मिसाल से साबित होता है अगर पानी का नल चालू हो और उसके नीचे कितना भी बड़ा बर्तन रखा हो वो कभी न कभी जरूर भर जाता है, और अगर नहीं भरता तो समझ लीजिए कि बर्तन में छेद हो गया है जो बर्तन को भरने नहीं दे रहा उसके लिए दो तारीके हैं या तो बर्तन बदल दो या छेद बंद कर दो

अगर आप गौर करेंगे तो इस्लामी कानून के हिसाब से हर साल हजारों करोड़ रुपए गरीबों के लिए सदका जकात के नाम पर निकलता है। सवाल ये पैदा होता है कि हर साल हजारों करोड़ रुपए अगर गरीबों के लिए जा रहा है, तो फिर मुसलमानों के अंदर से गरीबी खत्म क्यों नहीं हो रही. आज भी सबसे ज्यादा भिखारी इसी कौम से आते हैं।और अगर ये पैसा दीनी तालीम पर ख़र्च हो रहा है तो तकरीबन 95: मुसलमानों को दीनी तालीम में काबिल हो जाना चाहिए था, जबकि हकीकत ये है कि दीनी तालीम तो छोड़ो 90: मुसलमानों को कुरान शरीफ पढ़ना या उर्दू पढना लिखना भी नहीं आता तो आखिर ये पैसा जाता कहां है। आखिर छेद कहां पर है कि न तो गरीबी खत्म हो रही है और न ही जहालियत जब तक इस छेद को ढूंढ कर इसे बंद नहीं किया जाएगा तब तक क़ौम के हालात नहीं सम्भलेंगे, गौर जरूर करना क्योंकि बिना गौर किये हुये हमारे हालात नहीं बदलने वाले और ना ही किसी भी तरह से हमारी नई नस्लें सुधरने वाली, इसके लिए हमे अपने दीन ईमान पढाई लिखाई और दीन दुनिया दोनो पर मेहनत करना पड़ेगी.!

एक बात और याद रखिए ईद आने वाली है जो मुसलमान सिर्फ ईद की नफल नमाज पढ़ने के लिए नये लिबास पहनकर खुशबू लगाकर ईदगाह जाते हैं और सुबह की फजर नमाज नहीं पढ़ते हैं तो उनकी ईद की नफल नमाज नहीं मानी जाएगी जिससे जरुरी ये है कि सबसे पहले फजर की नमाज और पांचों वक्तों की फर्ज नमाजें पहले अदा करें जो हर मर्द औरत मुसलमानों पर फर्ज है। उसके बाद सुन्नते नफलाते नमाज ही पढ़ें। इस बीच शेख़ मौलाना शाही ने अलविदा की नमाज पढ़ाई और कौम मुल्क की सलामती के लिए दुआ की।

प्रोग्राम में असलम, हाफिज गुलफाम रजा, रेहान दानाई, रज्जू, मुबारक, आसिफ अली, तमाम लोग मौजूद रहे।

The US and Israel have engulfed the entire world in the fire of destruction by cowardly attacking Iran

(World news - Sada e BuLand News) On February 28, 2026, the US and Israel launched a massive, cowardly, treacherous attack on Iran, dubbed 'Operation Epic Fury'. The attack targeted Iran's top military leadership and nuclear installations. Iran responded by launching missiles at Israeli and US bases in the Middle East, triggering a fierce war in the region.The February 28, 2026 attack primarily plunged the world into a crisis of inflation and attempted to force each other into war. The US and Israel jointly targeted Iran's missile sites, air defense systems, and top leadership.

Leadership Targeted According to reports, Iran's Supreme Leader, Ayatollah Ali Khamenei, and other key officials were targeted in the attack. In which Iran's Supreme Leader, Ayatollah Ali Khamenei, his wife, daughter, son-in-law, and hundreds of high-ranking officials were martyred in a treacherous bombing.Iranian retaliation: Iran launched missile and drone attacks on bases in approximately 12 countries belonging to Israel and US allies (such as Qatar, UAE, Kuwait, Bahrain, Jordan, Saudi Arabia, Turkey, Israel), and destroyed US bases. Following this attack, tensions have escalated in the Strait of Hormuz, and Iran has adopted a tough stance on its nuclear program.The conflict has spread to several countries in the Middle East, causing massive civilian and infrastructure damage.

Larijani's message to Muslim world voices dismay, warnings and assurances.

By Ali HarbIran's security chief has issued a six-point message to Muslim-majority nations aiming to spell out Tehran's position and re-assert it's not going to relent in the fight against the US and Israel.Ali Larijani tried to appeal to a religious sense of duty for Muslims to stand together, saying with few exceptions Islamic countries have failed to support Iran against what he called "treacherous aggression"."Is the stance of certain Islamic governments not at odds with the Prophet's [Mohammad] saying: 'Whoever hears a man calling out, 'O Muslims!' and fails to answer him is not

a Muslim'?"

He went on to justify Iran's attacks across the region, which countries in the Gulf have described as a blatant aggression against their sovereignty, appearing to warn there is no middle ground in the ongoing confrontation."Which side are you on?" Larijani asked. He followed his thinly veiled warning by emphasising Iran is not seeking domination over its neighbours."The unity of the Islamic nation, if realised with full strength, is capable of guaranteeing security, progress, and independence for all its states," Larijani said.

The message appears to make the case that the US military presence in the Middle East should be replaced by regional cooperation to ensure collective security. The argument was made as Iranian missiles and drones continue to fly across the region daily, targeting countries that host US bases but stress they are not involved in the war.

Military operations can neutralise Iran's 'shore-based threats'

way, an analyst says. Joseph Votel, a distinguished military fellow at the Middle East Institute, former four-star general and commander of US Central Command, said that while threats from missiles and mines exist, international cooperation can safeguard shipping lanes, even as a focus remains on neutralising Iran's broader military capabilities."The United States or international partners may assist with minesweepers to ensure waterways are free of mines. Continued military operations also help ensure shore-based threats can't target shipping moving through the straits," he told Al Jazeera. "There is a way to do this, but right now, the focus is on the campaign against capabilities within Iran."

Iran's determination to preserve its military means the campaign will take time, but the US is prioritising both immediate and strategic objectives, Votel said.

"While we are aware of the threat in the straits, our priority is targeting capabilities on the ground. It takes time to deploy resources for both. President Donald Trump has asked for international assistance to keep the strait open and allow the flow of oil and natural gas."

इजरायल एकमात्र ऐसा तानाशाही देश जो संविधान से नहीं ताकत के बलबूते पर चलता है

(आलम ए नजर– सदा ए बुलंद न्यूज) पिछले 73 साल में इजरायल अपना संविधान तक नहीं बना पाया और ऐसा उसने जान–बूझकर किया गया है. 1948 में जब देश बना था, तो उस समय संविधान बनाना उसके एजेंडे में था, लेकिन वहां के संकीर्ण नेताओं ने किसी 'लिखित दस्तावेज' में नीतियों को बांधने के बजाए, अपनी मर्जी से देश हांकने का विकल्प चुना।

इससे यहूदी राष्ट्रवाद को हवा मिलती रहती है! वहां बस कुछ बुनियादी कानून हैं, जिससे पूरा इजरायल गवर्न होता है. सत्ताधारी पार्टी जब चाहे इन क़ानूनों को अपनी नीतियों के हिसाब से बदल सकती है. वहां का एक क़ानून, दूसरे क़ानून को काटने वाला है. एक में उत्तर लिखा है, दूसरे में दक्षिण!

2018 में इजरायल ने 'यहूदियों के देश के रूप में इजरायल' कानून लागू किया। इसमें देश की पहचान को यहूदियों की पहचान के साथ आधिकारिक

तौर पर जोड़ दिया गया, पहले से नस्लभेदी इस देश ने क़ानूनी तौर पर अपने मुल्क में दूसरी पहचान वाली आबादी को अलग–थलग कर दिया! अधिकार, झंडा, भाषा हर चीज में तब्दीली की गई. अरबी को आधिकारिक भाषा से हटा दिया गया, यहूदी बसावट को 'राष्ट्रीय मूल्य' करार दिया गया।

अरबों की बात छोड़िए, सेना के भीतर द्रूज समुदाय के लोगों ने इसका काफी विरोध किया था कि हम मरते–खपते रहते हैं, फिर भी हमें दोयम दर्जे का नागरिक बनाकर छोड़ दिया है! दुनिया में किसी देश के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी. किसी को लोकतंत्र की याद नहीं आई! इजरायल में एक पुराना कानून था जिसमें मानवीय गरिमा वगैरह की बात कही गई थी. मूल भावना यह थी कि सभी नागरिकों का दर्जा समान रहेगा. 2018 का क़ानून उसके ठीक उलट है, लेकिन मजेदार यह है कि दोनों क़ानून वहां लागू हैं.

संविधान है नहीं, तो जो मर्जी होती है, वही होता है! संविधान बनाने का इरादा भी नहीं है. यह मुल्क दूसरों को संविधान, नैतिकता, विश्व शांति, लोकतंत्र वगैरह की पाठ पढ़ाता है!

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं प्रधान सम्पादक
बहार मोहम्मद
द्वारा लव-कुश प्रिंटर्स, बाड़ूजई पेशावरी (आदर्श नगर कालोनी) शाहजहांपुर-242001 से मुद्रित एवं 2, नियर पक्का तालाब बरादरी जिला शाहजहांपुर (उ.प्र.) 242001 से प्रकाशित एवं वितरित प्रधान सम्पादक **बहार मोहम्मद**
मो0 नम्बर 9565100392-9453556135
sadaebulandmgzn@gmail-com
नोट- समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र शाहजहाँपुर (उ.प्र.) होगा।